D.El.Ed 1st year (19-21)

dated: 26.05.20

College Name

Shakuntlam Istitute Of Teacher's Education 702 (Code)

Kirhindi, Shiosagar Road, Sasaram

Sub name - ICT (F-12)

By sir - DEEPAK KUMAR

E-Learning (इलेक्ट्रानिक अधिगम)

ई-अधिगम एक प्रकार का अधिगम है जिसमे Electronic माध्यम या स्रोतो के द्वारा अधिगम प्रदान किया जाता है। इसमे Electronic माध्यमो, जैसे - माइक्रोफोन, दृश्य व श्रव्य टेप, आदि के द्वारा अधिगम को सुविधाजनक बनाया जाता है। इसमे वे सभी प्रकार के अधिगम आते है जिसमे सूचना एवं सम्प्रेषण की सहायता से अधिगम को आसान बनाया जाता है।

इस प्रकार E-learning

आधुनिक तकनीकियों जैसे - computer, बहुमाध्यम नेटवर्किंग, आदि की सहायता से युक्त Electronic अधिगम है। इसमें Internet तथा web तकनीकी का प्रयोग आवश्यक है।

ई- अधिगम की विशेषताएँ :-

ई- अधिगम की निम्न विशेषताएँ है -

1. यह Internet सेवाओं और web तकनीकी से युक्त On-line अधिगम है।

2. यह computer सह अधिगम तथा computer आधारित अधिगम से अधिक व्यापक है।

3. इसमें Internet आधारित सम्प्रेषण, जैसे - E-mail, video conferencing और web आधारित अनुदेशन अवश्य सम्मिलित होते है।

ई- अधिगम के लाभ -

ई- अधिगम के निम्न लाभ है -

1. जिन अधिगमकर्ताओं के पास परम्परागत कक्षा-शिक्षण के लिए समय एवं संसाधन नहीं है वे ई-अधिगम के रूप में अपनी सुविधा के अनुसार अधिगम प्राप्त कर सकते है।

2. इसके द्वारा अधिगमकर्ता किसी भी समय तथा स्थान पर सूचनाएँ प्राप्त कर सकता है।

3. इसके द्वारा छात्र उच्च गुणवत्ता की अधिगम सामग्री प्राप्त कर सकते है।

4. इसके द्वारा छात्र अपने मानसिक स्तर, कौशल, रूचि, स्थानीय आवश्यकताओं और संसाधनों के अनुसार अधिगम प्राप्त कर सकते है।

5. ई- अधिगम द्वारा छात्र विभिन्न प्रकार की ~~आदि~~ अधिगम विधियों से ज्ञान प्राप्त कर सकते है।

ई- अधिगम की सीमाएं :-

ई- अधिगम की निम्न सीमाएं है -

1. ई- अधिगम प्राप्त करने के लिए छात्र के पास आवश्यक संसाधनों जैसे- computer laptop, Internet, web सेवाएं आदि की आसान उपलब्धता होनी चाहिए।

2. ई- अधिगम के लिए छात्र को बहुसंचार माध्यमों, Internet, web तकनीकों आदि का ज्ञान एवं कौशल होना ~~ही~~ चाहिए।

3. हमारे देश के विद्यालय ई- अधिगम प्रदान करने के लिए संसाधनों से युक्त नहीं है। बल्कि छात्रों की

ई-अधिगम का लाभ नहीं मिल पाता है।

4. ई-अधिगम के संबंध में छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों में नकारात्मक भाव होते हैं।

5. शिक्षकों को उनके कार्यस्थल पर ई-अधिगम से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान नहीं किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप शिक्षक ई-अधिगम के लिए छात्रों को प्रेरित नहीं कर पाते हैं।